12 साल बाद देखिये
सरकार की अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी-2009
का कड़वा सच!!!
योजना बदहाल,बिल्डर मालामाल,गरीब फिर बेघरबार!!!
मेजेस्टिक रियलमार्ट प्रा. लि. द्वारा कलवाड़ा,महेन्द्रा सेज,जयपुर
मे EWS,LIG,MIG-A केटेगिरी के तहत बनाई गयी
960 फ्लेटों की आवासीय योजना मे महज 120 परिवारों का हो रहा निवास!!!

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

JAWAB DO SARKAR

www.jawabdosarkar.com

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा जारी
सूचना प्रोद्द्योगिकी(मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता)नियम,2021 के नियम 18 के तहत संचालित पोर्टल

रेफरेंस संख्या –2022/gbad/01 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | रविवार, 6 मार्च 2022

12 साल मे ही चकनाचूर हुए गरीबो के छत के सपने!!!

जर्जर दिवारे,झड़ता प्लास्टर,टूटी खिड़की-दरवाजे,कबाड़ के ट्रांसफार्मर, सुने पड़े फ्लेट बयान कर रहे,सरकारी योजनाओ की जमीनी हकीकत!!!

मेजेस्टिक रियलमार्ट प्रा. लि. द्वारा कलवाड़ा,महेन्द्रा सेज,जयपुर मे बनाई गयी 960 फ्लेटों की आवासीय योजना का नंगा सच!!!

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी
सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

2009 मे राजस्थान सरकार द्वारा लायी गयी थी अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी-2009

वर्ष 2009 मे तत्कालीन राजस्थान सरकार द्वारा गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों को आवास दिलाने के उद्देश्य से अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी-2009 लायी गयी थी,जिसमे पहली बार प्रत्येक बिल्डिंग प्रोजेक्ट मे गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए आवास बनाने सुनिश्चित किए गए थे,फिर वह चाहे सरकारी प्रोजेक्ट हो या फिर प्राईवेट प्रोजेक्ट|इस पॉलिसी के तहत प्राईवेट बिल्डर को भी सरकारी जमीन पर बिल्डिंग बनाने के लिए अधिकृत किया गया था|जिसके लिए उसे मुफ्त मे सरकारी जमीन भी दी जानी थी|इस पॉलिसी के तहत बनने वाले प्रोजेक्टो मे EWS/LIG केटेगिरी के लिए अधिकतम फ्लेट/मकान बनाए जाने थे| ऐसे प्रोजेक्टो मे EWS केटेगिरी के लिए 325 वर्ग फीट के आवास का निर्माण किया जाना था जिसकी कीमत 2.40 लाख रखी गयी थी,इसमे से 50 हजार सरकारी सब्सिडी दी जानी थी और बाकी कि 1.90 लाख रुपए की कीमत उपभोक्ता द्वारा दिये जाने थे|इसी प्रकार LIG केटेगिरी के लिए 500 वर्ग फीट के आवास का निर्माण किया जाना था जिसकी कीमत 3.75 लाख रखी गयी थी,इसमे से 50 हजार सरकारी सब्सिडी दी जानी थी और बाकी कि 3.25 लाख रुपए की कीमत उपभोक्ता द्वारा दी जानी थी,इसी तरहMIG-A केटेगिरी के लिए 600 वर्ग फीट के आवास का निर्माण किया जाना था जिसकी कीमत 6.00 लाख रखी गयी थी,लेकिन इसमे किसी प्रकार की सरकार सब्सिडी उपलब्ध नहीं थी|

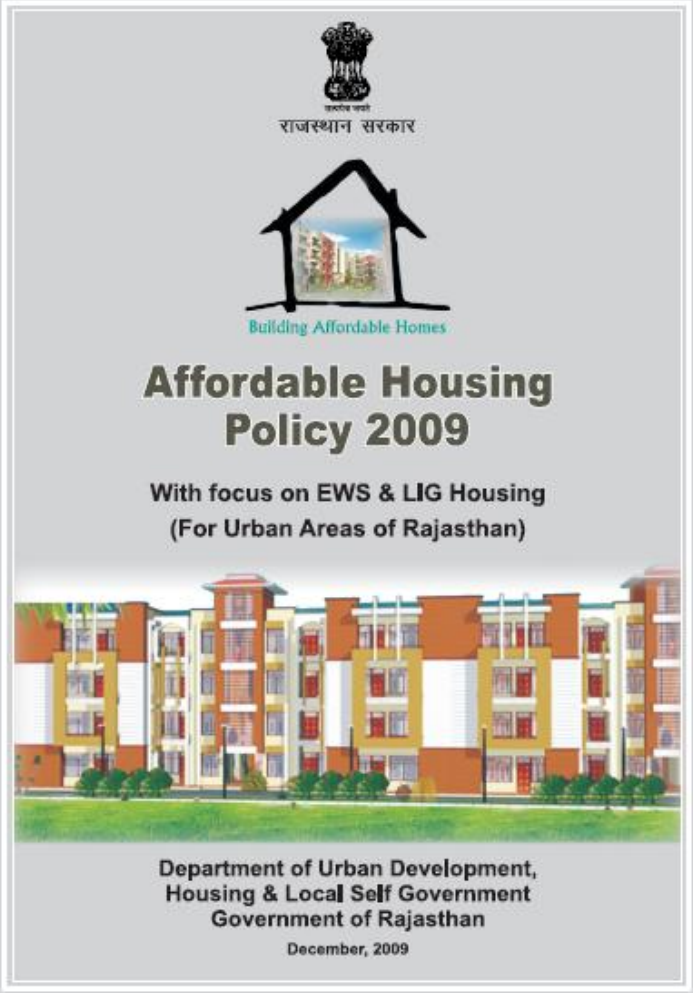

S. No.	Category	Super built up area sq.ft.	Construction cost to be paid to builder w.r.t. super built up area	Amount Lacs (rounded off)	Part Subsidy amount given by GOI to be passed on to beneficiary Presently for Jaipur, Ajmer, Pushkar, Kota, Jodhpur and Bikaner	Sale value allowed to be charged to beneficiaries (rounded off) Presently for Jaipur, Ajmer, Pushkar, Kota, Jodhpur and Bikaner
1	2	3	4	5	6	7
(i)	EWS	325	750	2.40	0.50	1.90
(ii)	LIG	500	750	3.75	0.50	3.25
(iii)	MIG-A	600	To be decided by developer/ULB (upper limit Rs. 1000/-)	6.00	-	6.00

Detail of Affordable Housing Programe (AHP -RAY)

S.No.	Name of Projects & Location	Concerned ULB/DA	DUs as per DPR	Taken Up	Allotted	Completed	Possession	Remarks
1.	Sintax Industries Pvt. Ltd. , Narsinghpura, Ajmer Road, Jaipur	JDA	432	432	432	432	432	Scheme HO to JDA
2.	Vinkas Estate Pvt. Ltd., Mukundpura, Ajmer Road, Jaipur	JDA	512	512	512	512	512	Scheme HO to JDA
3.	Bhairav Township Pvt. Ltd, Kalwar Road, Jaipur	JDA	576	576	576	576	576	Scheme HO to JDA
4.	Majestic Realmart Pvt. Ltd, Kalwada, Mahapura SEZ, Jaipur	JDA	960	960	960	540	0	Letter has been sent to JDA for HO of 288 Dus. 420 Dus are near completion
5.	Siddha Infra Project Pvt. Ltd, Bagru Kurd, Ajmer Road, Jaipur	JDA	400	400	400	400	400	Scheme HO to JDA
6.	Shiv Shakti Homes Pvt. Ltd., Omex City, Thikaariya, Ajmer Road, Jaipur	JDA	704	704	704	704	704	Scheme HO to JDA
7.	Regency Buildhome LLP, Vatika Village, Tonk Road, Jaipur	JDA	1120	1120	1120	1120	1120	Scheme HO to JDA
8	Shidhi Vinayak, Nevata, Mahapura, SEZ, Jaipur	JDA	1072	1072	1072	1072	0	Letter has been sent to JDA for HO of 1072 Dus.
	Total		5776	5776	5776	5316	3744	

योजना के तहत जेडीए द्वारा 8 बिल्डरों के साथ बनाए गए थे 5776 फ्लेट्स

इस पॉलिसी के तहत जेडीए द्वारा 8 बिल्डरों के साथ PPP मोड मे 5776 बनाए गए थे,जिनमे सिंटेक्स,भैरव,सिद्धा,शिव शक्ति सिद्धि विनायक,वींकस,रिगेंसी और मेजेस्टिक नाम शामिल थे|पॉलिसी के अनुसार जेडीए द्वारा इन बिल्डरों के साथ उच्च गुणवत्ता के फ्लेट बनाने की शर्त रखी थी,जिसमे 5 साल तक बिल्डिंग का मेंटीनेंस भी शामिल था|

मेजेस्टिक रियलमार्ट प्रा. लि. द्वारा कलवाड़ा,महेन्द्रा सेज,जयपुर मे बनाई गयी 960 फ्लेटों की आवासीय योजना का नंगा सच!!!

जैसा कि अक्सर सरकारी योजनाओ का बुरा हश्र होता आया है वही हश्र सरकार की अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी का भी हुआ|इसकी जमीनी हकीकत देखनी हो तो आप मेजेस्टिक रियलमार्ट प्रा. लि. द्वारा कलवाड़ा,महेन्द्रा सेज,जयपुर मे बनाई गयी 960 फ्लेटों की आवासीय योजना का देख सकते है,जयपुर के नामी बिल्डर श्री एसएन गुप्ता द्वारा बनाई गयी इस योजना के 960 फ्लेटों मे महज 120 परिवार ही निवास करने की हिम्मत जुटा पाये है,जबकि सरकारी आंकड़ो मे इस योजना मे सभी 960 फ्लेटों को बेचा जाना बताया जा रहा है|इस योजना मे रह रहे 120 परिवार भी मजबूरी मे रहने को विवश है और दिन रात सरकार को कोसते हुए किसी चमत्कार की उम्मीद मे अपने दिन काट रहे है|वर्ष 2015 मे बिल्डर द्वारा इन फ्लेटों का पजेशन फ्लेटधारको को दिया जा चुका है|लेकिन इन चंद सालो मे ही यह योजना जर्जर अवस्था मे आ चुकी है|इस योजना मे जहां 960 गरीब/निम्न आय/मध्यम वर्ग के परिवारों के करोड़ो रुपए मिट्टी मे मिल गए वहीं बिल्डर करोड़ो रुपए कमा कर चैन की बंसी बजा रहा है|

फ्लेटों की बदहाल स्थिति

बिल्डिंग की डीपीसी मे पड़ी दरार!!!क्या यह नींव इस बिल्डिंग का बोझ सह पाएगी?

जले हुए और पुराने ट्रांसफार्मर को लगाया गया गरीबो की बस्ती मे

उखड़ता प्लास्टर,गायब होता फर्श और टूटे-फूटे दरवाजे

जर्जर दिवारे,झड़ता प्लास्टर,टूटी खिड़कियाँ-दरवाजे,कबाड़ के ट्रांसफार्मर,सुने पड़े फ्लेट बयान कर रहे,सरकारी योजनाओ की जमीनी हकीकत!!!

इस योजना का यदि कोई जिम्मेदार और ईमानदार अधिकारी मुआयना कर ले तो भ्रष्टाचार की बुनियाद पर बनी इस योजना पर अपने खून के आँसू बहाने से नहीं रोक पाएगा परंतु अफसोस है कि ऐसा कोई जिम्मेदार और ईमानदार अधिकारी इस योजना का निरीक्षण करने आज तक पहुचा ही नहीं,जो पहुचे भी है तो बिल्डर से उपकृत होकर वापस अपने चेम्बर मे आकर बैठ गए|लेकिन इस योजना की जर्जर दिवारे,झड़ता प्लास्टर,टूटी खिड़कियाँ-दरवाजे,कबाड़ के ट्रांसफार्मर,सुने पड़े फ्लेट आज भी सरकारी योजनाओ की जमीनी हकीकत बयान कर रहे है|

योजना के पास बिल्डर द्वारा लायी जा रही आलीशान योजना मेजेस्टिक हाईट्स

जहां यह योजना गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों के खून-पसीने की कमाई को सुरसा के मुख की तरह निगल चुकी है|वही बिल्डर इस योजना को बनाने की एवज मे मिली जमीन पर अमीरों के आशियाने बनाने की जुगत मे नजर आ रहा है|बिल्डर द्वारा इस जमीन पर मेजेस्टिक हाईट्स के नाम से एक योजना को भी परवान चढ़ा दिया है|

जवाब मांगते सवाल?

1. करोड़ो खर्च करने के बाद भी 960 फ्लेटों मे से महज 120 परिवारों का निवास,क्या इस योजना की असफलता को नहीं दर्शाता?
2. क्या सरकार इस योजना की बदहाली का हिसाब बिल्डर से मांगेगी?
3. इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए बिल्डर को क्या क्या रियायते,भुगतान जेडीए द्वारा किया गया था?
4. प्रोजेक्ट की गुणवत्ता के लिए क्या मानदंड रखे गए थे?क्या बिल्डर द्वारा उन मानदंडो को पूरा किया जा रहा है?
5. बिल्डर द्वारा इस प्रोजेक्ट की मेंटीनेंस पर कितना रुपया खर्च किया गया है?

एसएनजी ग्रुप के सत्यनारायण गुप्ता के खिलाफ करोड़ों की धोखाधड़ी के 4 मामले दर्ज

एक करोड़ की ठगी में एसएनजी ग्रुप का निदेशक गिरफ्तार

6. घटिया क्वालिटी से बनी इस योजना मे कोई हादसा हो गया तो उसका जिम्मेदार कौन होगा?जेडीए के अधिकारी,बिल्डर या फिर हमेशा चुप रहे वाला खुद उपभोक्ता?
7. शहर से 20 किलोमीटर दूर गरीबो के आवास बनाने के पीछे सरकार की क्या मंशा थी?
8. क्या यह 960 परिवारों के साथ सीधे-सीधे ठगी नहीं है?
9. इस योजना के बदले मिली जमीन पर बनने वाले प्रोजेक्ट मेजेस्टिक हाईट्स की हकीकत क्या है?
10. इस प्रोजेक्ट को बनाने वाले बिल्डर के विरुद्ध ठगी,धोखाधड़ी,जालसाजी के कितने मुकदमे दर्ज है?